केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - २

रविवार, १० जुलाई, २०१६ **समय : दोपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुण : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण (३८)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण (३७)		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

परिचय-२

विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''तुमने जो भी किया होगा वह मेरे हित में किया होगा ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''दादाखाचर का गुरु हाथ लगा है, इसे बरछी से मारो ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''मंत्री जगजीवन जो हमारा शत्रु है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. दादाखाचर ने अपना दरबार महाराज को कृष्णार्पण कर दिया ।

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. अरदेशरजी ने सुबह को उठकर देखा तो भाल पर तिलक लगा हुआ था ।

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ६		नाम

३. दामोदरभाई ने अपनी पगड़ी महाराज के आगे धर दी ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ 'व्यवहार शुद्धि' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ५		नाम	प्र - ४ गुण - ५		नाम

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. ज्ञान का आधार क्या है ? | गुण : १ | |

.....

.....

२. गुंदाली गाँव में साधु रसोई करते थे, तब वहाँ कौन आया ? | गुण : १ | |

.....

.....

३. हिमराजभाई शाह को गोपालानन्द स्वामी वल्लभ स्वामी जैसे क्यों लगे ? | गुण : १ | |

.....

.....

४. असुरबुद्धि और पतित व्यक्ति क्या करते हैं ? | गुण : १ | |

.....

.....

५. परमचैतन्यानन्द स्वामी के साथ गए हुए साधु लौट आने पर श्रीजीमहाराज ने क्या कहा ? | गुण : १ | |

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ ''विषय के मार्ग में.....''- **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए । (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ५		नाम	प्र - ६ गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. ए वर भाग्य .....

.....

.....

..... भीतर रहेज्यो रे । गुण : २ [ ]

२. वादी हराव्या .....

.....

.....

..... सर्वोपरि महाराज । गुण : २ [ ]

३. निर्मानमोहा .....

.....

.....

..... पदमव्ययं तत् । गुण : २ [ ]

४. विधिशंभुमुखै ..... भजे सदा - इस श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

.....

.....

.....

..... गुण : २ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ९		नाम

विभाग - २ : प्रागजी भक्त

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''कोई व्यक्ति धर्म के विरुद्ध व्यवहार करे, उसे आप विमुख करें तब तो बात समझ में आती है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''तुम मेरा काम करने के लिए समय कैसे निकालोगे ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''ज्ञानी के अनन्त नेत्र होते हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. मुमुक्षु को कौए की तरह सोना चाहिए ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. प्रागजी भक्त ने तीन सौ आम वृक्ष को पानी पाया ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ६		नाम	प्र - ९ गुण - ५		नाम

३. विठ्ठलभाई ने कहा, ''भगतजी धर्मवाले हैं ।''

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ९ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. निष्कासन वापस लिया

२. मुझे स्वामिनारायण ने धारण कर रखा है

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ५		नाम	प्र - ११ गुण - ६		नाम

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. श्रीजीमहाराज की तेजोमय मूर्ति का प्रागजी भक्त को दर्शन हुआ तब श्रीजीमहाराज ने क्या कहा ? | गुण : १ |

.....

.....

२. महुवा मन्दिर में अन्नकूट उत्सव पर भगतजी कहाँ बैठ गए ? | गुण : १ |

.....

.....

३. जूनागढ़ में भगतजी कहाँ बैठकर सत्संग की बातचीत करते थे ? | गुण : १ |

.....

.....

४. ग्रंथियाँ कितनी है ? उनके नाम लिखिए । | गुण : १ |

.....

.....

५. पीठवड़ी की सभा में प्रागजी भक्त ने क्या किया ? | गुण : १ |

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. प्रागजी भक्त ने स्वामी के पास क्या माँगा ? | गुण : २ |

(१) [ ] अपना ज्ञान दो । (२) [ ] महाराज के दर्शन करवाओ ।

(३) [ ] अपना धाम के दर्शन करवाओ । (४) [ ] मेरे गाँव को सत्संगी बनाओ ।

२. सत्संग में कुसंग | गुण : २ |

(१) [ ] इस देश में कोई सफल नहीं होगा ।

(२) [ ] किसी ओर के कारण से दु:खी मत हों ।

(३) [ ] रामप्रसादजी महाराज धाम में चले गये ।

(४) [ ] इसे कोई हानि नहीं पहुँचा सकता ।

३. गढ़डा में जल-झीलनी महोत्सव | गुण : २ |

(१) [ ] उसके नेत्रों में भगवान के सुख की वर्षा होती हैं ।

(२) [ ] पाँचों इन्द्रियाँ और दस अन्त:करण जम जाते हैं ।

(३) [ ] भगवान की मूर्ति को छोड़कर इधर-उधर नहीं भटकता ।

(४) [ ] जो अंत:मुखी हो गया वही यह दुर्लभ सुख अनुभव करता है ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ६		नाम

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **अक्षर के ज्ञान का प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी :** मुझे भूख लगी है, इस बहाने से स्वामी ने अपने एक पार्षद से कुछ पूरियाँ मंगवाई । स्वामी ने एक टुकड़ा तो स्वयं लिया और शेष प्रसादी शामजी भक्त को दे दी । अगले दिन स्वामी ब्रह्मवेला में बेला से गढडा के लिए चले ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **भगतजी का मनमोहक व्यक्तित्व :** यज्ञपुरुषदासजी के माध्यम से महीधरजी को भगतजी के साक्षात्कारी होने का ज्ञान हो गया था । बहुत सारे संयोगी साधु जो भगतजी के सम्पर्क में आए, भगतजी उन्हें नि:स्वाद धर्म के सिद्धान्त के पालन की आज्ञा देते । इस प्रकार से उन्हें निर्लोभी बनने की, विषय-विकारों को छोड़ने की प्रेरणा मिली ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **ऐश्वर्य दर्शन :** तब भगतजी ने उन्हें सभा में बैठने को कहा कि एक-दूसरे का हाथ पकड़ लो और आज्ञा करी कि ताली बजा करके प्रार्थना करो । थोड़ी देर बाद नेत्र खोलने को कहा ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **प्रागजी भक्त का बाल्यकाल :** गणपतिजी के इस छोटे-से मन्दिर के प्रांगण में नीम का एक वृक्ष था । उस वृक्ष के नीचे अक्षरब्रह्म गुणातीतानंद स्वामी जब मूलजी शर्मा के रूप में विचरण कर रहे थे, चार दिन के लिए ठहरे थे ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

५. **सत्संग सुख :** भोजन के दिन पार्षदों को निकट गाँवों में भिक्षा के लिए भेजते । ईंधन के लिए भैंस का गोबर एकत्र करने भेजते । पारणा के दिन प्यार से शरबत परोसते । निरन्तर भजन करके देहभाव को भुला दिया ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

६. **अहमदाबाद में ज्ञानयज्ञ :** एकादशी का पालन करने से व्यक्ति के अँगूठे से तेज प्रकाशित होता है, जीव का कल्याण होता हैं । जब ब्रह्मचारी स्नान करता है और उसकी हथेली से जो बूंदें टपकती हैं, उन्हें पृथ्वी पर गिरने से पूर्व ही देवता लोग ग्रहण कर लेते हैं । संतों के लिए भी एकादशी व्रत का पालन कठिन हैं ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**